स्थापत्य एवं शिल्प के विविध आयाम

☛ सवाई जयसिंह की कल्पना को साकार करने के लिए जयपुर शहर की नींव राजगुरु पंडित जगन्नाथ सम्राट द्वारा कब रखी गई थी?

(1) 1727 ई. (2) 1700 ई.
(3) 1459 ई. (4) 1627 ई. (1)

व्याख्या–जयपुर शहर का शिल्पकार बंगाली विद्वान विद्याधर भट्टाचार्य था।

- शहर को नौ वर्गों के सिद्धांत पर बसाया गया।
- चौड़ी व सीधी सड़के, शहर में दोनों सिरों पर चौपड़, बीच में फव्वारे, निकास के लिये विभिन्न गेट जैसे सूरजपोल, चांदपोल, घाटगेट, सांगानेरी गेट, अजमेरी गेट, जोरावर सिंह गेट आदि मुख्य विशेषता रही है।
- जयपुर को पिंक सिटी के नाम से जाना जाता है। इसका गुलाबी (गुरूआ) रंग राजा रामसिंह द्वारा करवाया गया।

☛ पृथ्वीराज विजय काव्य में अजमेर की तुलना किससे की गई?

(1) चांदपोल (2) इन्द्रपुरी
(3) उज्जैन (4) विराटनगर (2)

व्याख्या–पृथ्वीराज विजय की रचना संस्कृत विद्वान कवि जयानक द्वारा की गई।

☛ राजस्थान में दुर्गों के स्थापत्य के विकास का प्रथम उदाहरण किस सभ्यता की खुदाई में अवशेष मिला?

(1) आहड़ (2) बैराठ
(3) सुनारी (4) कालीबंगा (4)

व्याख्या–सम्पूर्ण भारत में महाराष्ट्र व मध्यप्रदेश के बाद सर्वाधिक दुर्ग राजस्थान में देखने को मिलते है।

☛ ऐसा दुर्ग जिसके चारों ओर विशाल जल राशि से घिरा हुआ हो कौनसा दुर्ग कहलाता है?

(1) औदुक दुर्ग (2) गिरी दुर्ग
(3) धान्वन दुर्ग (4) एरण दुर्ग (1)

व्याख्या–औदुक दुर्ग को जल दुर्ग भी कहा जाता है। गागरोण, भैंसरोड़गढ़ आदि इस श्रेणी में आते है।

☛ राजस्थान के कितने दुर्गों को यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज साइट की सूची (2013) में शामिल किया गया है?

(1) 07 (2) 06
(3) 09 (4) 04 (2)

व्याख्या–आमेर, गागरोन, कुंभलगढ़, जैसलमेर, रणथम्भौर, व चित्तौड़गढ़।

- जून 2013 में नोमपेन्ह में हुई वर्ल्ड हेरिटेज कमेटी की बैठक में यह निर्णय लिया गया।

→ **ध्यान रहे:-** *इनके अलावा जयपुर शहर का परकोटा भी वर्ल्ड हेरिटेज सूची में शामिल है।*

☛ निम्न में असंगत को पहचानिये –

(1) पारिख दुर्ग – भरतपुर दुर्ग, जूनागढ़ (बीकानेर) दुर्ग
(2) पारिध दुर्ग – चित्तौडगढ़, सोनारगढ़ (जैसलमेर)
(3) एरण दुर्ग – चित्तौड़गढ़ व सुवर्णगिरी (जालौर)
(4) वन दुर्ग – सोनारगढ़ (जैसलमेर) (4)

व्याख्या–*एक दुर्ग एक से अधिक श्रेणी में आ सकता है। जैसलमेर दुर्ग धान्वन्य व पारिध श्रेणी में व सिवाणा दुर्ग वन श्रेणी में आता है।*

☛ निम्न में से असत्य युग्म छाँटिए?

(1) चारों ओर बड़ी बड़ी दीवारों का परकोटा हो – पारिध दुर्ग
(2) ऊँचे पर्वत पर स्थित दुर्ग – गिरी दुर्ग
(3) मरूभूमि में बना हुआ दुर्ग – धान्वन दुर्ग
(4) सघन बीहड़ वन में बना हुआ दुर्ग – पारिध दुर्ग (4)

व्याख्या–सघन बीहड़ वन में बना दुर्ग वन दुर्ग कहलाता है।

☛ निम्न में से असत्य युग्म छाँटिए–

(1) एरण दुर्ग वे दुर्ग हैं जिनके मार्ग खाई, कांटे व पत्थरों से दुर्गम हो।
(2) पारीख दुर्ग जिसके चारों ओर बहुत बड़ी खाई हो।
(3) सैन्य दुर्ग वह है जिसमें युद्ध की व्यूह रचना में चतुर सैनिक रहते हों।
(4) जल दुर्ग में शूरवीर एवं सदा अनुकूल रहने वाले बांधव लोग निवास करते हैं। (4)

व्याख्या– ऐसे दुर्ग सहाय दुर्ग की श्रेणी में आते है।

☛ दुर्गों के सभी प्रकारों में कौनसी श्रेणी का दुर्ग श्रेष्ठ माना जाता है?
(1) एरण दुर्ग (2) सैन्य दुर्ग
(3) पारिध दुर्ग (4) धान्वन दुर्ग (2)

☛ गिरी दुर्ग, पारीख दुर्ग एवं एरण दुर्ग की श्रेणी में कौनसा दुर्ग आता है?
(1) सिवाना दुर्ग (2) जैसलमेर दुर्ग
(3) चित्तौड़गढ़ दुर्ग (4) जालोर दुर्ग (3)

☛ चित्तौड़ दुर्ग का निर्माण करवाकर किसने इसका नाम चित्रकोट रखा–
(1) राजा चित्रांग (चित्रांगद) (2) कर्नल जेम्स टॉड
(3) श्यामलदास (4) महाराणा कुंभा (1)

व्याख्या–यह दुर्ग दिल्ली से मालवा व गुजरात के मार्ग पर स्थित होने के कारण विशिष्ट सामरिक महत्व रखता था। वीर विनोद के अनुसार इसका निर्माण चित्रांग मौर्य ने करवाया। बप्पा रावल ने आठवीं शताब्दी में अंतिम मौर्य शासक मानमोरी को हराकर इस पर अधिकार कर लिया।

☛ अलाउद्दीन खिलजी ने चित्तौड़गढ़ दुर्ग जीतकर क्या नाम रखा–
(1) खेराबाद (2) खिज्राबाद
(3) मोमीनाबाद (4) जलालाबाद (2)

व्याख्या– यह मेसा का पठार पर स्थित है। इसे 'सब किलों का सिरमौर' कहते है।

☛ "गढ़ तो चित्तौड़गढ़ बाकी सब गढैया" उक्त पंक्ति किस दुर्ग के लिए कही गयी है?
(1) चित्तौड़गढ़ दुर्ग (2) सिवाना दुर्ग
(3) नाहरगढ़ दुर्ग (4) मेहरानगढ़ दुर्ग (1)

व्याख्या–चित्तौड़ में तीन साके हुए–
1. 1303 ई. अलाउद्दीन खिलजी V/S रतन सिंह
2. 1534-35 ई. बहादुरशाह V/S कर्णावती
3. 1567 ई. अकबर V/S उदयसिंह के सेनापति जयमल एवं फत्ता।

☛ तुलजा माता का मंदिर, नवल भण्डार, भामाशाह की हवेली, श्रृंगार चंवरी, प्रासाद, त्रिपोलिया दरवाजा, कुम्भ श्याम मंदिर, सोम मंदिर विजय स्तंभ, रानी पद्मिनी का महल, गोरा-बादल के महल, चित्रांग मोरी तालाब, जैन कीर्ति स्तंभ किस दुर्ग में स्थित है–
(1) सिवाना दुर्ग (2) जयगढ़ दुर्ग
(3) चित्तौड़गढ़ दुर्ग (4) मेहरानगढ़ (3)

☛ मेवाड़ और मारवाड़ की सीमा पर घाणेराव/सादड़ी गाँव के समीप कौनसा दुर्ग स्थित है?
(1) कुंभलगढ़ दुर्ग (2) सिवाना दुर्ग
(3) मेहरानगढ़ (4) गागरोन दुर्ग (1)

व्याख्या–इस दुर्ग का प्रमुख शिल्पी मंडल था।
- इसका निर्माण मौर्य राजा सम्प्रति ने करवाया था। इसके सबसे ऊपरी छोर पर कुंभा का निवास स्थान था, जिसे कटारगढ़ के नाम से जाना जाता है।
- **उपनाम** – मच्छेंद्रपुर, मेवाड़ की शरणस्थली मत्स्येन्द्र दुर्ग आदि।

☛ कुंभलगढ़ दुर्ग कितने लंबे परकोटे से घिरा हुआ है?
(1) 27 किलोमीटर (2) 36 किलोमीटर
(3) 40 किलोमीटर (4) 20 किलोमीटर (2)

व्याख्या–दीवार इतनी चौड़ी है कि एक साथ 8 घुड़सवार चल सकते हैं।

☛ कर्नल जेम्स टॉड ने किस दुर्ग की तुलना सुदृढ़ प्राचीरो, बुर्जो, कंगूरों के विचारों से 'एट्रस्कन वास्तु' से की है–
(1) चित्तौड़गढ़ दुर्ग (2) सिवाना दुर्ग
(3) कुंभलगढ़ दुर्ग (4) गागरोन दुर्ग (3)

☛ कटारगढ़ दुर्ग इतनी बुलंदी पर बना हुआ है कि नीचे से ऊपर की ओर देखने पर सिर से पगड़ी गिर जाती है यह किसने कहा?
(1) अबुल फजल (2) कर्नल जेम्स टॉड
(3) बदायूँनी (4) अमीर खुसरो (1)

व्याख्या–यहाँ उदयसिंह का राज्य अभिषेक हुआ एवं राणा प्रताप का जन्म हुआ। कटारगढ़ दुर्ग कुंभलगढ़ दुर्ग का हिस्सा है।

☛ झालिबाव बावड़ी, कुंभ स्वामी, विष्णु मंदिर, झाली रानी का मालिया, मामादेव तालाब, उडना राजकुमार (पृथ्वीराज सिसोदिया) की छतरी किस दुर्ग में स्थित है–
(1) सिवाना दुर्ग (2) तारागढ़ दुर्ग
(3) जयगढ़ दुर्ग (4) कुंभलगढ़ दुर्ग (4)

व्याख्या–संकटकाल में मेवाड़ राजपरिवार का आश्रय स्थल दुर्ग रहा।

☛ रणथम्भौर दुर्ग का निर्माण किसने करवाया था?
(1) रणथान देव चौहान (2) रतन सिंह
(3) चित्रांग (4) रण सिंह (1)

☛ किस दुर्ग के लिए अबुल फजल ने लिखा है कि "यह दुर्ग बख्तरबंद" है–
(1) सिवाना दुर्ग (2) रणम्भौर दुर्ग
(3) जैसलमेर दुर्ग (4) गागरोन दुर्ग (2)

व्याख्या–'तिरिया, तेल, हम्मीर हठ, चढै न दूजी बार' यह कथन इस दुर्ग के शासक से संबंधित है।

☛ **सिवाना दुर्ग का नाम बदलकर अलाउद्दीन खिलजी ने क्या रखा?**

(1) खैराबाद (2) जलालाबाद
(3) खिजराबाद (4) मोमिनाबाद (1)

व्याख्या–अलाउद्दीन के आक्रमण के समय यह दुर्ग कान्हड़दे के भतीजे शीतलदेव के अधिकार में था।

- 1308 में इस दुर्ग में साका व अलाउद्दीन का अधिकार हो गया।
- इसे संकटकाल में मारवाड़ के राजाओं की शरणस्थली कहा जाता है।
- राव मालदेव ने गिरी सुमेल युद्ध के समय यहाँ शरण ली।
- मुगलों से संघर्ष के समय चन्द्रसेन की शक्ति का केन्द्र था।

☛ **अणखलो सिवाणो (सिवाणा दुर्ग) का निर्माण 954 ई. में किसने किया?**

(1) वीरनारायण (2) राव जोधा
(3) शेरशाह (4) अर्णोराज (1)

व्याख्या–बालोतरा में छप्पन के पहाड़ पर स्थित सिवाना का दुर्ग इतिहास प्रसिद्ध है।

☛ **हम्मीर महल, रानी महल, हमीर की कचहरी, सुपारी महल, 32 खम्भों की छतरी, जोगी महल, पीर सदरूद्दीन की दरगाह, त्रिनेत्र गणेश मंदिर किस दुर्ग में स्थित है?**

(1) तारागढ़ दुर्ग (2) जयगढ़ दुर्ग
(3) रणथम्भौर दुर्ग (4) मेहरानगढ़ दुर्ग (3)

व्याख्या–झाईन दुर्ग को रणथम्भौर दुर्ग की चाबी कहा जाता है।

☛ **तारागढ़ बूँदी का निर्माण राव बरसिंह ने किस शताब्दी में करवाया?**

(1) 7वीं (2) 14वीं
(3) 17वीं (4) 10वीं (2)

व्याख्या–धरती से आकाश के तारों के समान दिखलाई पड़ने के कारण तारागढ़ के नाम से प्रसिद्ध है।

☛ **चौरासी खंभों की छतरी, शिकार बुर्ज, फूलसागर, नवल सागर सरोवर, गर्भ गुंजन तोप किस दुर्ग में स्थित है?**

(1) मेहरानगढ़ (2) जयगढ़
(3) तारागढ़ (4) चित्तौड़गढ़ (3)

व्याख्या–इस दुर्ग में दुर्लभ व जीवन्त भित्तिचित्रों के उदाहरण देखने को मिलते है।

- महाराव उम्मेदसिंह के काल में इस दुर्ग में चित्रशाला का निर्माण करवाया गया।
- वीर विनोद के अनुसार मेवाड़ महाराणा लाखा ने अपने पिता क्षेत्रसिंह की मृत्यु का बदला लेने के लिये बूंदी दुर्ग को जीतने का प्रण लिया लेकिन हर तरह से विफल रहने पर मिट्टी का नकली दुर्ग बनाकर इसे ध्वस्त कर प्रतिज्ञा पुरी की। इस नकली दुर्ग को बचाने के लिये भी बूंदी के कुंभा हाड़ा ने प्राणों की बाजी लगा दी।

☛ **नाहरगढ़ के किले का निर्माण किसने करवाया?**

(1) मानसिंह (2) भारमल
(3) सवाई जयसिंह (4) माधोसिंह (3)

व्याख्या–इसका उपनाम 'सुदर्शनगढ़' है।

- नाहरगढ़ नाम झुझार नाहरसिंह भोमिया के नाम पर पड़ा। नाहरसिंह भोमिया को तांत्रिक रत्नाकर पौण्डरिक ने राजी कर आम्बागढ़ के पास चौबुर्जीगढ़ी में स्थापित कर दिया जहाँ आज भी लोकदेवता के रूप में इनकी पूजा होती है।
- मराठा आक्रमण से रक्षार्थ बना यह राजस्थान का पहला दुर्ग था।

☛ **एक जैसे नौ महल किस किले में बने हुए हैं?**

(1) आमेर का किला (2) नाहरगढ़ का किला
(3) जयगढ़ का किला (4) मेहरानगढ़ का किला (2)

व्याख्या–इन महलों का निर्माण माधोसिंह ने अपनी नौ पासवानों के लिए करवाया।

यह किला जयपुर में स्थित है।

☛ **संकटकाल में मारवाड़ के राजाओं की शरण स्थली किस दुर्ग को कहा जाता था?**

(1) मेहरानगढ़ (2) तारागढ़ दुर्ग
(3) सिवाना दुर्ग (4) जयगढ़ दुर्ग (3)

☛ **किस किले को 'गढ़ बिठली' तथा 'अजयमेरू दुर्ग' भी कहा जाता है?**

(1) जयगढ़ दुर्ग (जयपुर) (2) तारागढ़ दुर्ग (अजमेर)
(3) तारागढ़ (बूँदी) (4) नाहरगढ़ (जयपुर) (2)

व्याख्या–जेम्स टॉड के अनुसार इस दुर्ग का निर्माण चौहान शासक अजयपाल ने करवाया।

- शाहजहां के काल में इसका दुर्गाध्यक्ष विट्ठलदास गौड़ था, संभवत: इसी के नाम पर दुर्ग का गढ़बीठली भी कहते है।

परीक्षा दृष्टि

★ मेहरानगढ़ दुर्ग का निर्माण किसने करवाया था– – राव जोधा ने

★ किस दुर्ग को राजस्थान का 'वेल्लौर' कहा जाता है– भैंसरोड़गढ़

★ राजस्थान का ऐतिहासिक जौहर किस किले में हुआ–
– चित्तौड़गढ़ (1303 ई. में)
(रतनसिंह के समय रानी पद्मावती में किया। अलाउद्दीन खिलजी का चित्तौड़ पर आक्रमण। राजस्थान का प्रथम साका हुआ।)

★ कटारगढ़ दुर्ग अवस्थित है– – कुम्भलगढ़

★ सरिस्का में स्थित 'कांकवाडी का किला' किस घटना के लिए प्रसिद्ध है– – औरंगजेब द्वारा अपने बड़े भाई दाराशिकोह को कैद रखने के लिए

★ भरतपुर किले की विशेषता है कि–
– वह एक जलभरी खाई से घिरा हुआ है

★ सोनार का किला कहाँ स्थित है– – जैसलमेर

★ आमेर किले की वास्तु शिल्प कला किन दो जातियों की वास्तु कला को दर्शाती है– – राजपूत और मुगल

★ गढ़बीठली दुर्ग है– – अजमेर

★ तिमनगढ़ का किला स्थित है– – करौली

★ वह दुर्ग जो चारों ओर से रेत के ऊँचे टीलों से घिरा हुआ हो, कहलाता है– – धान्वन दुर्ग

★ राजस्थान का एकमात्र दुर्ग है जो मुस्लिम दुर्ग निर्माण पद्धति से बना हुआ है– – मैग्जीन दुर्ग

★ कुम्भलगढ़ दुर्ग का निर्माण महाराणा कुम्भा ने किस शिल्पी के निर्देशन में पूर्ण करवाया– – शिल्पी मण्डन

★ विजय स्तम्भ किस किले में स्थित है– – चित्तौड़गढ़ के किले

★ भटनेर का दुर्ग किस जिले में स्थित है– – हनुमानगढ़

★ गागरोण का दुर्ग किस श्रेणी में आता है– – जल दुर्ग

★ मयूरध्वजगढ़ किसे कहा जाता है– – मेहरानगढ़ दुर्ग को

★ जूनागढ़ के दुर्ग का निर्माण करवाया– – महाराजा रायसिंह ने

★ घृश्मेश्वर महादेव मंदिर (शिवाड़) में भगवान शिव का 12वाँ अंतिम ज्योर्तिलिंग अवस्थित माना जाता है, शिवाड़ किस जिले में स्थित है– – सवाई माधोपुर

★ सिवाणा का पहला साका 1310 ई में सातलदेव और सोमेश्वर के भीष्म प्रतिरोध के पश्चात् दुर्ग की वीरांगनाओं द्वारा जौहर करने के पश्चात हुआ, इस समय सिवाणा पर किस मुस्लिम शासक ने आक्रमण किया था– – अलाउद्दीन खिलजी ने

☛ तारागढ़ दुर्ग को दुनिया का दूसरा जिब्राल्टर किसने कहा?
(1) कर्नल जेम्स टॉड (2) बदायूनी
(3) विलियम बैंटिक (4) अमीर खुसरो (3)

व्याख्या–इस दुर्ग में घुंघट, गूदड़ी तथा फूटी बुर्ज, बांदरा बुर्ज, इमली बुर्ज और फतेह बुर्ज प्रमुख है।
- इसमें कुल 14 विशाल बुर्ज है। भारत के तत्कालीन गवर्नर जनरल ने 1832 में जब इसे देखा तो इनके मुहँ से निकल पड़ा – ''ओह दुनियां का दूसरा जिब्राल्टर'

☛ मेहरानगढ़ (जोधपुर) दुर्ग की स्थापना किसने की?
(1) राव जोधा (2) चन्द्रसेन
(3) राव बीका (4) मोटाराजा उदयसिंह (1)

व्याख्या–स्थापना सन् 1459 ई. में की।
- चिड़िया टूक पहाड़ी पर बना हुआ है।
- गिरी दुर्ग की श्रेणी में आता है।
- इसे मयूरध्वज गढ़, गढ़ चिंतामणी दुर्ग भी कहा जाता है।

☛ मोतीमहल, फतह महल, फूल महल, सिणगार चौकी, चामुण्डा माता, मुरली मनोहर मंदिर, आनंदघन मंदिर, तख्त विलास, चोखेलाव महल, बिलचा महल, आदि किस दुर्ग में स्थित है?
(1) जयगढ़ दुर्ग (2) आमेर दुर्ग
(3) मेहरानगढ़ दुर्ग (4) नाहरगढ़ दुर्ग (3)

व्याख्या–इसमें बने बलुआ पत्थर से निर्मित महल राजपूत स्थापत्य कला के श्रेष्ठ उदाहरण है।
- अपनी विशालता के कारण इसके लिये कहा गया ''गढ़ बण्यो मेहराण'
- इसमें पुस्तक प्रकाश नामक पुसतकालय मानसिंह द्वारा बनवाया गया।

☛ गजक, नुसरत, कड़क बिजली, गुब्बार, घुड़धाणीद, बिच्छू बाण, मीर बख्श, किलकिला, शम्भूबाण, गजनीखान, जमजमा, रहस्य कला किस दुर्ग की तोप है?
(1) आमेर दुर्ग (2) मेहरानगढ़ दुर्ग
(3) तारागढ़ दुर्ग (4) सोनारगढ़ दुर्ग (2)

☛ चूरू दुर्ग का निर्माण किसने करवाया?
(1) ठाकुर कुशाल सिंह (2) राव जोधा
(3) बरसिंह हाड़ा (4) राव जैसल (1)

व्याख्या–स्थापना सन् 1739 ई. में।

☛ चाँदी के गोले दागने वाला किला–
(1) जयगढ़ का किला (2) चूरू का किला
(3) आमेर किला (4) नाहर का किला (2)

व्याख्या–1857 की क्रांति के समय यहां के शासक शिवसिंह के समय चांदी के गोले दागे गये।

☛ **अकबर का दुर्ग (अजमेर) का निर्माण किसने करवाया?**
(1) शाहजहाँ (2) जहाँगीर
(3) अकबर (4) बाबर (3)

व्याख्या–इसे 'अकबर का दौलतखाना व अकबर की मैग्जीन' भी कहते हैं।

- राज्य का एकमात्र दुर्ग जो मुस्लिम दुर्ग स्थापत्य पद्धति से बनाया।
- सर टॉमस रो ने जहाँगीर को अपना परिचय इसी दुर्ग में दिया।
- 1570 – गुजरात विजय की स्मृति में इसका निर्माण।
- 1576 – हल्दीघाटी युद्ध की योजना को अंतिम रूप अकबर ने यही दिया।
- 1801 – अंग्रेजों ने अधिकार कर शस्त्रागार बनाया।

☛ **दूर से देखने पर यह किला पहाड़ी पर लंगर डाले एक जहाज जैसा प्रतीत होता है-**
(1) सुवर्ण गिरी दुर्ग (2) सोनारगढ़ दुर्ग
(3) जूनारगढ़ दुर्ग (4) मेहरानगढ़ दुर्ग (2)

☛ **जूनागढ़ (बीकानेर) दुर्ग के बारे में सत्य कथन बताइये–**
(1) इस दुर्ग की नींव रायसिंह ने 1589 ई. में रखी।
(2) इसे लालगढ़ दुर्ग भी कहते हैं।
(3) जयमल एवं फत्ता की हाथी पर सवार मूर्तियाँ स्थापित है।
(4) सभी कथन सत्य है। (4)

व्याख्या–जूनागढ़ दुर्ग को जमीन का जेवर एवं चिंतामणी दुर्ग भी कहा जाता है।

- दुर्ग में सूरजपोल पर रायसिंह प्रशस्ति उत्कीर्ण है।
- इस दुर्ग में रतन निवास, रंग महल, कर्ण महल, अनूप महल, छत्र निवास, लाल निवास, सरदार निवास, चीनी बुर्ज, सुनहरी बुर्ज, विक्रम विलास आदि प्रमुख निर्माण है।

☛ **भैंसरोडगढ़ का किला (चित्तौड़गढ़) किन नदियों के मध्य स्थित है?**
(1) चंबल व बामनी (2) चंबल व लूनी
(3) बामनी व बाणगंगा (4) चंबल व माही (1)

व्याख्या–जल दुर्ग श्रेणी का दुर्ग है।

- कर्नल जेम्स टॉड के अनुसार इस दुर्ग का निर्माण भैसांशाह व रोडाचारण ने करवाया।
- इसे राजस्थान का वेल्लोर कहा जाता है।
- यह दुर्ग डोड शाखा के परमारो, राठौड़ो, शक्तावतो, चूण्डावतो व हाड़ाओं के अधीन रहा है। मेवाड़ का इस पर सर्वाधिक अधिकार रहा।

☛ **गागरोन का किला (झालावाड़) किन नदियों के संगम पर स्थित है?**
(1) बनास व चंबल (2) बनारस और खारी
(3) कालीसिंध और आहू (4) गम्भीरी और बेडच (3)

व्याख्या–यह जलदुर्ग की श्रेणी में आता है। इस दुर्ग का निर्माण 11वीं शताब्दी में डोड परमारों द्वारा करवाया गया।

☛ **गागरोन के किले के बारे में सत्य कथन कौनसा है?**
(1) इसे डोडगढ़ या धूलरगढ़ दुर्ग भी कहा जाता है।
(2) इस दुर्ग में संत पीपा की छतरी, सूफी संत मिट्ठे साहब (संत हमीदुद्दीन चिश्ती) की दरगाह स्थित है।
(3) औरंगजेब द्वारा निर्मित बुलंद दरवाजा इस किले की शोभा बढ़ाता है।
(4) उपर्युक्त सभी (4)

व्याख्या–यहाँ के शासक अचलदास खींची ने 1423 में मांडू के सुल्तान हुशंगशाह से संघर्ष किया व वीरगति को प्राप्त हुआ।

☛ **सोनगिरी पहाड़ पर कौनसा दुर्ग स्थित है?**
(1) जालोर का किला (2) नागौर का किला
(3) जयपुर का किला (4) मेहरानगढ़ का किला (1)

व्याख्या–यह दुर्ग सुकड़ी नदी के किनारे पर स्थित है। शिलालेखों में जालोर का नाम जाबालिपुर और किले का नाम स्वर्णगिरी मिलता है।

☛ **परमार शासक भोज द्वारा निर्मित संस्कृत पाठशाला जहाँ पर वर्तमान में मस्जिद है, यह किस दुर्ग में स्थित है?**
(1) जयगढ़ (2) सुवर्णगिरी
(3) सोनारगढ़ (4) गागरोन (2)

व्याख्या–इसमें 1311 में कान्हडदेव चौहान ने अलाउद्दीन खिलजी से लड़ते हुए वीरगति प्राप्त हुए।

☛ **एशिया की सबसे बड़ी तोप 'जय बाण' किस दुर्ग में रखी हुई है?**
(1) गागरोन (2) जयगढ़
(3) चूरू (4) सिवाना (2)

व्याख्या–यहाँ तोप ढ़ालने का विशाल कारखाना है।

- जयगढ़ दुर्ग विशाल पानी के टांको के लिए जाना जाता है।
- ईगल की पहाड़ी जयपुर में स्थित है।
- रहस्यमय दुर्ग भी इसे कहा जाता है क्योंकि इसमें कई गुप्त सुरंगे है। इसे वर्तमान स्वरूप सवाई जयसिंह ने प्रदान किया।

☛ किस दुर्ग के बारे में कहावत है कि यहाँ पत्थर के पैर, लोहे का शरीर और काठ के घोड़े पर सवार होकर ही पहुँचा जा सकता है?
(1) सोनारगढ़ का किला (2) सुवर्ण गिरी का किला
(3) मेहरानगढ़ का किला (4) जूनागढ़ का किला (1)

व्याख्या–यह दुर्ग धान्वन श्रेणी में आता है।

☛ जैसलमेर दुर्ग का निर्माण किसने करवाया?
(1) बरसिंह हाड़ा (2) कुशाल सिंह
(3) राव जैसल भाटी (4) राव जोधा (3)

व्याख्या–निर्माण सन 1155 ई. में, त्रिकूट पहाड़ी पर पीले पत्थरों से निर्मित इस किले को सोनार का किला भी कहा जाता है।
• इसका निर्माण बिना चूना पत्थर के इंटरलॉक सिस्टम से किया गया है।

☛ रंगमहल, मोतीमहल, गज विलास जवाहर विलास महल किस किले में स्थित है?
(1) मेहरानगढ़ दुर्ग में (2) जयगढ़ दुर्ग में
(3) जूनागढ़ दुर्ग में (4) सोनारगढ़ दुर्ग में (4)

व्याख्या–इस किले की प्रसिद्धि इसके दुर्लभ और प्राचीन पांडुलिपियों के संग्रहालय के कारण भी है।
• इसके अन्दर पार्श्वनाथ व ऋषभदेव के भव्य जैन मंदिर बने हुए है।

☛ 1733 ई. में लोहागढ़ दुर्ग का निर्माण किसने करवाया?
(1) महाराजा बदनसिंह (2) महाराजा सूरजमल
(3) महाराणा जवाहर सिंह (4) राव जोधा (2)

व्याख्या–लोहागढ़ दुर्ग भरतपुर में स्थित है।
• इसके चारो ओर खाई बनी हुई है जिसमें मोती झील से सुजान गंगा नहर का पानी भरा जाता है।

☛ किशोरी महल, जवाहर बुर्ज, कोठी खास, वजीर की कोठी, दादी माँ का महल, गंगा मंदिर, लक्ष्मण मंदिर किस दुर्ग में स्थित है?
(1) लोहागढ़ (2) त्रिभुवनगढ़
(3) भटनेर (4) शेरगढ़ (1)

व्याख्या–इसमें लगा अष्टधातु का दरवाजा महाराजा जवाहरसिंह 1765 में दिल्ली से जीतकर लाए थे।

☛ असत्य कथन को छाँटिए–

दुर्ग	जिले
(1) लक्ष्मणगढ़	सीकर
(2) त्रिभुवनगढ़	करौली
(3) आमागढ़	जयपुर
(4) बसंतगढ़ दुर्ग	उदयपुर (4)

व्याख्या–बसंतगढ़–सिरोही।

☛ बयाना का किला किस जिले में स्थित है?
(1) भरतपुर (2) अलवर
(3) उदयपुर (4) सिरोही (1)

☛ किस अंग्रेज अफसर ने लोहागढ़ दुर्ग पर 1805 ई. में पाँच बार आक्रमण किया लेकिन हर बार असफल रहा–
(1) कर्नल जेम्स टॉड (2) लॉर्ड लेक
(3) बदायूनी (4) बैटिंग (2)

व्याख्या–अंग्रेज जनरल लॉर्ड लेक ने 1805 ई. में अपनी विशाल सेना और तोपखाने के साथ पाँच बार इस किले पर चढ़ाई की परंतु हर बार असफल रहा।

☛ सच्चियामाता, हरिहर मंदिर, सूर्यमंदिर, महावीर मंदिर जो प्रतिहार शैली में बने हुए हैं किस जगह स्थित है?
(1) ओसियां (2) मंडोर
(3) पीपाड़ (4) भीनमाल (1)

व्याख्या–राजस्थान में आठवीं सदी से मंदिरों की गुर्जर प्रतिहार/महामारू शैली का विकास हुआ।

☛ 10वीं-11वीं सदी के प्रारंभ में गुर्जर प्रतिहार शैली का पूर्ण विकास हो गया साथ ही इस पर सोलंकी शैली का प्रभाव देखने को मिला। इस समय का पहला महत्वपूर्ण मंदिर कौनसा माना जाता है?
(1) कैकीन्द/जसनगर का नीलकण्ठेश्वर मंदिर
(2) किराडू का सोमेश्वर मंदिर
(3) सरिस्का का पारानगर मंदिर
(4) इनमें से कोई नहीं (1)

व्याख्या–सीकर का हर्षनाथ मंदिर भी इस समय का मंदिर है।

☛ सुमेलित कीजिए–

सूची-I	सूची-II
A. आमेर का किला	1. दरगाह साहब
B. तारागढ़ अजमेर	2. दरगाह मिठे साहब
C. गागरोन	3. शिलादेवी मंदिर
D. मेहरानगढ़	4. चामुण्डा माता मंदिर

कूट	A	B	C	D
(1)	3	2	1	4
(2)	3	1	2	4
(3)	4	2	1	3
(4)	2	4	3	1

(2)

☛ पारानगर का नीलकंठेश्वर मंदिर किस जिले में स्थित है?
(1) जोधपुर (2) जयपुर
(3) अलवर (4) भरतपुर (3)

व्याख्या–यह एक त्रिकुटाकार मंदिर है, जिसमें गोल स्तम्भ देखने को मिलते है।

☛ **गुर्जर प्रतिहार शैली का अंतिम व सबसे भव्य मंदिर है–**
(1) किराडू का सोमेश्वर मंदिर
(2) आबू विमलशाही
(3) मंडोर
(4) ओसियां (1)

व्याख्या–लगभग 1016 ई. में निर्मित यह मंदिर राजस्थान के बाड़मेर में है, जिसे राजस्थान का खजुराहो कहा जाता है।

☛ **राजस्थान में मंदिर-शिल्प का स्वर्ण काल कौनसा समय रहा है?**
(1) 8वीं से 10वीं सदी
(2) 11वीं से 13वीं सदी
(3) 12वीं से 15वीं सदी
(4) इनमें से कोई नहीं (2)

व्याख्या–इस काल के मंदिरों को सोलंकी या मारू गुर्जर शेली के अन्तर्गत रखा जा सकता है। इस शैली के मंदिरों में खंभे अलंकृत, पतले, लम्बे और गोलाई लिये हुए है। ये मंदिर ऊँची पीठिका पर बने है।

☛ **गुर्जर शैली के महत्वपूर्ण मंदिर कामेश्वर का मंदिर कहाँ स्थित है?**
(1) खेड़ा (बाड़मेर) (2) आउवा (पाली)
(3) सोजत (पाली) (4) सुमेरपुर (पाली) (2)

व्याख्या–रणछोड़ मंदिर–खेड़ (बाड़मेर)

☛ **उदयपुर के निकट एकलिंगजी का मंदिर किस शासक ने बनवाया है?**
(1) राणा सांगा (2) राणा कुंभा
(3) बप्पा रावल (4) महाराणा प्रताप (3)

व्याख्या–एकलिंगजी (एकलिंगनाथ जी) के लकुलिश मंदिर का वर्तमान स्वरूप रायमल ने दिया।
- एकलिंगजी को मेवाड़ राजघराने का कुलदेवता माना जाता है। इस मंदिर के मुख्य भाग में काले पत्थर की चतुर्मुखी प्रतिमा है।

☛ **ओसिया का हरिहर मंदिर, आभानेरी का हर्षमाता मंदिर, आहड़ का आदिवराह मंदिर, राजोरगढ़ का नीलकंठ का मंदिर किस काल में बना हुआ है?**
(1) गुर्जर प्रतिहार (2) मौर्य काल
(3) चौहान काल (4) गुप्तोत्तर काल (1)

☛ **'भूमिज शैली' का राजस्थान में सबसे पुराना मंदिर कौनसा है?**
(1) ओसिया का जैन मंदिर
(2) सेवाडी का जैन मंदिर (पाली)
(3) किराडू का मंदिर
(4) एकलिंग जी का मंदिर (2)

व्याख्या–मेनाल का महानलेश्वर, बारॉं में रामगढ़ का भण्डदेवरा व बिजोलिया का उड़ेश्वर मंदिर भी इस शैली का उदाहरण है।
- सेवाड़ी का जैन मंदिर लगभग 1010 ई. व महानालेश्वर मंदिर लगभग 1075 ई. में बना।

☛ **किस समय में हवेली शैली के मंदिरों की बहुलता देखने को मिली–**
(1) 16वीं–17वीं सदी
(2) 13वीं–15वीं सदी
(3) 10वीं–12वीं सदी
(4) 8वीं–10वीं सदी (1)

☛ **22वें जैन तीर्थंकर नेमिनाथ जी के मंदिर का देलवाड़ा में निर्माण किसने करवाया?**
(1) वास्तुपाल व तेजपाल (2) भीमदेव
(3) विमलशाह (4) गजराज (1)

☛ **एकलिंगजी का मंदिर कहाँ स्थित है?**
(1) ब्यावर (2) सुमेरपुर
(3) सोजत (4) कैलाशपुरी (4)

व्याख्या–एकलिंगजी का लकुलीश मंदिर उदयपुर के निकट नाथद्वारा मार्ग पर कैलाशपुरी नामक गाँव में स्थित है जिसका निर्माण आठवीं सदी में मेवाड़ के गुहिल शासक बप्पा रावल ने करवाया था। तथा वर्तमान स्वरूप रायमल ने प्रदान किया था।

☛ **राजस्थान का खजुराहो किस मंदिर को कहा जाता है?**
(1) भंडदेवरा (2) किराडू
(3) जगत शिरोमणी (4) शिव मंदिर (2)

व्याख्या–किराडू के मंदिर में मंदिरों का समूह है जिनमें 'शिव व विष्णु' मंदिर है। यह मंदिर बाड़मेर हाथमा गाँव के पास खदीन रेल्वे स्टेशन के समीप बना हुआ है।
- ये 11वीं–12वीं सदी में बने हुए है।
- किराडू का प्राचीन नाम किरात कूप था।
- यहाँ उच्च कोटि की तक्षण कला के साथ गुप्तकाल, क्षेत्रीय परमार व सोलंकी शैली का प्रभाव देखने को मिलता है।

☛ असत्य कथन को छाँटिए–

(1) जगत शिरोमणी मंदिर – आमेर
(2) हर्षदमाता – आभानेरी
(3) शिव मंदिर – बांडोली
(4) सास बहु मंदिर – ब्यावर (4)

व्याख्या–सास बहु मंदिर–नागदा (नागदा) उदयपुर में है। जगत शिरोमणि मंदिर का निर्माण कच्छवाह शासक मानसिंह की पत्नी कनकावती ने अपने पुत्र जगतसिंह की याद में करवाया।

- इसमें कृष्णमूर्ति चित्तौड़ से लाकर लगवाई जिसकी पूजा मीराबाई किया करती है।
- हर्षदमाता मंदिर गुर्जर प्रतिहार कला का मंदिर है जिस पर 11वीं शताब्दी में महमूद गजनवी ने आक्रमण किया। यह मूल रूप से विष्णु मंदिर था।
- सास बहु मंदिर का निर्माण लगभग 1026 ई. में गुहिल शासक श्रीधर ने करवाया। ये जुड़वां वैष्णव मंदिर है।

☛ प्रथम जैन तीर्थंकर ऋषभदेव जी का मंदिर दिलवाड़ा में किसने बनवाया?

(1) विमलशाह (2) तेजपाल
(3) वास्तुपाल (4) लूणशाह (1)

व्याख्या–विमलशाही व लूणवशाही मंदिर आबू पर्वत पर स्थित है। विमलशाह गुजरात के चालुक्य शासक भीमदेव के मंत्री थे।

- लूणवशाही मंदिर 22वें जैन तीर्थंकर नेमिनाथ को समर्पित है, इसका निर्माण 1230 ई. में तेजपाल व वास्तुपाल ने करवाया।

☛ राजस्थान के किस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि इसका निर्माण हूण शासक तोरमाण के पुत्र मिहिरकूल ने करवाया?

(1) कंसुआ शिव मंदिर (2) बांडोली शिव मंदिर
(3) भण्डदेवरा शिव मंदिर (4) इनमें से कोई नहीं (2)

☛ निम्न में से हरिहर मंदिर, सूर्य मंदिर, पीपला माता मंदिर कहाँ स्थित है?

(1) नागदा (2) बारां
(3) कोटा (4) ओसियां (4)

☛ डीग के जलमहल किस शासक द्वारा निर्मित है?

(1) सूरजमल जाट (2) राजाराम जाट
(3) कर्णसिंह (4) मदनपाल (1)

व्याख्या–इन महलों के चारों ओर छज्जे (कार्निस) विशेष प्रभाव डालते है।

☛ रणकपुर का जैन मंदिर कौनसे जिले है?

(1) जोधपुर (2) नागौर
(3) पाली (4) बाड़मेर (3)

व्याख्या–यह आदिनाथ जी को समर्पित है।

- कुंभा के शासनकाल में 1433–1468 धरणीशाह नामक व्यापारी ने निर्माण करवाया।
- इसे चौमुखा जैन मंदिर भी कहते है।
- 1444 खंभों का अजायबघर भी कहा जाता है।
- ये मथाई नदी पर स्थित है।

☛ प्रीतम निवास महल, जग निवास महल, कर्ण सिंह का जगमंदिर, अमरसिंह के महल किस जिले में है?

(1) उदयपुर (2) जैसलमेर
(3) जयपुर (4) जोधपुर (1)

☛ कार्णमहल, शीशमहल, अनूप महल, रंगमहल किस जिले में स्थित है?

(1) उदयपुर (2) बीकानेर
(3) जैसलमेर (4) जोधपुर (2)

☛ सालिम सिंह की हवेली, नथमल की हवेली तथा पटवों की हवेली किस जिले में स्थित है?

(1) जोधपुर (2) जयपुर
(3) जैसलमेर (4) उदयपुर (3)

☛ फूल महल किस जिले में है?

(1) उदयपुर (2) बीकानेर
(3) जैसलमेर (4) जोधपुर (4)

☛ बच्छावतो की हवेली किस शहर में स्थित है?

(1) जोधपुर (2) जयपुर
(3) बीकानेर (4) झुँझुनूँ (3)

व्याख्या–इसका निर्माण 16वीं सदी के उत्तरार्द्ध के कर्णसिंह बच्छावत द्वारा करवाया गया। इसके अलावा यहाँ, मोहता, मूदंड़ा व रामपुरिया की प्रसिद्ध हवेलियां भी बनी हुई है।

☛ नाथूराम पोद्दार, सेठ जयदयाल केडिया व सीताराम सिंगतियो की हवेली कंहाँ की प्रसिद्ध है?

(1) डूँडलोद (2) बिसाऊ
(3) नवलगढ़ (4) महनसर (2)

☛ रूपनिवास, भगत, जालान, पोद्दार और भगोरिया की हवेली कहाँ की प्रसिद्ध है?

(1) बिसाऊ (2) नवलगढ़
(3) महनसर (4) डूँडलोद (2)

☛ निम्नलिखित में से सत्य युग्म कौनसा है–

(1) सोने चाँदी की हवेली – महनसर (झुँझुनूँ)
(2) पंसारी की हवेली – श्रीमाधोपुर (सीकर)
(3) रामनिवास गोयनका, मंत्रियों की हवेली – चूरू
(4) उपर्युक्त सभी (4)

☛ बड़े मियां की हवेली, पोकरण की हवेली, राखी हवेली किस जिले में है?
(1) जोधपुर (2) सीकर
(3) टोंक (4) उदयपुर (1)

☛ निम्नलिखित में से कौनसा सही सुमेलित है–
(1) सुनहरी कोठी – टोंक
(2) बागौर की हवेली – उदयपुर
(3) नाटाणियों की हवेली – जयपुर
(4) उपर्युक्त सभी (4)

व्याख्या–अन्य हवेलियाँ –
- रत्नाकर पुण्डरिक की हवेली – जयपुर
- पुरोहित प्रताप नारायण जी की हवेली – जयपुर
- मालजी का कमरा – चूरू
- गौरीलाल बियाणी की हवेली – सीकर
- ताराचन्द रूइया की हवेली – रामगढ़ (सीकर)
- नंदलाल देवड़ा की हवेली – फतेहपुर (सीकर)
- चार चौक की हवेली – लक्ष्मणगढ़, सीकर
- सेठ राधाकृष्ण की हवेली – मुकुन्दगढ़ (झुंझुनूं)
- केसरदेव कानेड़िया की हवेली – मुकुन्दगढ़ (झुंझुनूं)
- बगड़िया की हवेली – चिड़ावा (झुंझुनूं)

☛ निम्न में से कौनसा कथन असत्य है?
(1) गैटोर – जयपुर
(2) जसवंत थडा – जोधपुर
(3) छत्रविलास बाग – उदयपुर
(4) बडा बाग – जैसलमेर (3)

व्याख्या–'छत्रविलास बाग–कोटा'

☛ निम्न में से कौनसा कथन असत्य है?
(1) मूसी महारानी की छतरी – अलवर
(2) गोपाल सिंह की छतरी – करौली
(3) चौरासी खंभों की छतरी – बूँदी
(4) कल्याणमल की छतरी – बाड़मेर (4)

व्याख्या–कल्याणमल की छतरी–बीकानेर।

☛ निम्न में से कौनसा कथन असत्य है–
(1) ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह – अजमेर
(2) हमीदुद्दीन नागौरी की दरगाह – नागौर
(3) दीवानशाह की दरगाह कपासन – चित्तौड़गढ़
(4) मिट्ठे शाह की दरगाह – बूँदी (4)

व्याख्या– मिट्ठे शाह की दरगाह–गागरोन
मीरा साहब की दरगाह–बूँदी

☛ त्रिमुखी बावड़ी किस जिले में है?
(1) जयपुर (2) उदयपुर
(3) जोधपुर (4) कोटा (2)

व्याख्या–इसका निर्माण महाराणा राजसिंह की महाराणी रामसहाय ने करवाया।

☛ निम्नलिखित में से कौनसा कथन असत्य है?
(1) शक्कर पीर बाबा की दरगाह – नरहड़
(2) अब्दुल पीर की मजार – भगवानपुरा
(3) ख्वाजा पीर की मजार (ख्वाजा फखरूद्दीन) – सरवाड़
(4) अब्दुला खाँ का मकबरा – नागौर (4)

व्याख्या– यह अजमेर में स्थित है।

☛ डूँगरपुर के निकट स्थित प्रसिद्ध नौलखा बावड़ी का निर्माण किसने करवाया?
(1) प्रीमल देव (2) नाथावती
(3) शवरी देवी (4) हाड़ा रानी (1)

व्याख्या– प्रीमल देवी डूंगरपुर महारावल आसकरण की पत्नी थी।

☛ रानीजी की बावड़ी का निर्माण अनिरूद्ध सिंह की पत्नी नाथावत ने 1699 ई. में करवाया था, यह कहाँ स्थित है?
(1) जयपुर (2) जोधपुर
(3) बूँदी (4) उदयपुर (3)

☛ कच्छवाह शासक मानसिंह की पत्नी कनाकावती ने अपने पुत्र जगतसिंह की याद में जगत शिरोमणी मंदिर का निर्माण कहाँ करवाया?
(1) मंडोर (2) आमेर
(3) हिण्डौन (4) लाखेरी (2)

☛ गैब सागर झील किस जिले में है?
(1) बाँसवाड़ा (2) डूँगरपुर
(3) भरतपुर (4) उदयपुर (2)

☛ किस दुर्ग को राजस्थान का वेल्लोर कहा जाता है?
(1) रणथम्भौर दुर्ग (2) मेहरानगढ़ दुर्ग
(3) नाहरगढ़ दुर्ग (4) भैंसरोडगढ़ दुर्ग (4)

☛ बाटाडू का कुआँ किस जिले में है?
(1) बीकानेर (2) बाड़मेर
(3) अलवर (4) जोधपुर (2)

☛ सास बहु मंदिर कहाँ है?
(1) उदयपुर (2) सिरोही
(3) जोधपुर (4) रणकपुर (1)

व्याख्या–सास बहु का मंदिर नागदा (उदयपुर) में स्थित है। इसका निर्माण 1026 ई. में गुहिल शासक श्रीधर ने करवाया। ये मंदिर विष्णु–(सहस्त्र बाहु) को समर्पित है।

राजस्थान की हर प्रतियोगी परीक्षा हेतु उपयोगी

❖ राजस्थान सामान्य ज्ञान के नोट्स डाउनलोड करने के लिए नीचे दिए गए इमेज पर क्लिक करें --

❖ राजस्थान की विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण नोट्स Free डाउनलोड :-

❖ राजस्थान कला एवं संस्कृति, भूगोल, इतिहास सभी के नोट्स Free डाउनलोड करने का एकमात्र Google वेबसाइट :- *Rajasthanclasses.in*

Rajasthanclasses.in

हर भर्ती की न्यूज सबसे पहले..

यहां उपलब्ध रहेगी 👇👇

Latest News : Get Link

अन्य किसी भी प्रकार की PDF's के लिए

गूगल सर्च करें या क्लिक करें 👇

Google

rajasthanclasses.in

Telegram चैनल ज्वॉइन करें

YouTube पर ऑनलाइन क्लासेज भी देखें

Click Here : Get More PDF